A

कार्य या क्रिया केन्द्रित पाठ्य क्रम -
(Activity Centred Curriculum):—

क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम क्रिया या कार्य को आधार बनाता है। कक्षा - कार्य के लिए अन्तर्वस्तु का चयन शिक्षार्थियों की रुचियों, आवश्यकताओं, योग्यताओं के आधार पर किया जाता है। इसके वास्तविक प्रणेता अमेरिकी शिक्षा विद डीवी है।

डीवी ने अपने प्रयोगात्मक विद्यालय (Laboratory School) मे विषय के स्थान पर चार प्रवृत्तियों अथवा प्रेरणाओ की अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किये।

(i) सामाजिक (Social)
(ii) रचनात्मक (Creative)
(iii) प्रयोगात्मक (Inventive)
(iv) अभिव्यक्ति जन्य अथवा कलात्मक (Expressive or Artistic)

जान डीवी के अनुसार,

"ज्ञान क्रिया का परिणाम है न कि उसका मार्गदर्शक।"

Page 13

क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम के गुण :—

क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम के गुण इस प्रकार है —

(i) इसमे अन्तर्वस्तु का चयन उपयोगिता एवं महत्व के आधार पर किया जाता है।

(ii) इसमे जीवन की नवीन स्थितियों में अधिगम के उपयोग की पर्याप्त सम्भावनाये रहती है।

(iii) इसमें अनुभव - अधिगम की इकाइयाँ बालकों के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी रहती है।

→ समन्वित सामान्य पाठ्यक्रम
(Core Curriculum)

इसके अन्तर्गत उस ज्ञान एवं अनुभव को समाहित किया गया है जो सभी छात्रो के लिए सामान्य रूप से आवश्यक समझा जाता है।

समन्वित सामान्य पाठ्यक्रम की संकल्पना के सम्बन्ध में पाठ्यक्रम विशेषज्ञ हिल्डाटाबा का मत है —

कि core curriculum में समाहित विषय वस्तु, जीवन के कार्यों, समसामयिक समस्याओं, तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं से सम्बन्धित विषयों में सुसम्बन्धता अर्थात् समन्वय पर आधारित होती है।

इस प्रकार कोर पाठ्यक्रम का तात्पर्य उस पाठ्यक्रम से है जिसमें कुछ विषय तो ऐसे होते हैं जो सभी बालकों के लिए अनिवार्य होते हैं तथा कई विषय ऐसे होते हैं जिनमें कुछ विद्यार्थी अपनी रुचियों के अनुसार चुन लेते हैं।

यह पाठ्यक्रम अमेरिका की देन है। कोर पाठ्यक्रम में निम्न विषयों को अनिवार्य रूप से प्रमुख स्थान दिया है।

(i) स्वास्थ्य शिक्षा एवं शारीरिक प्रशिक्षण
(ii) कला संगीत एवं प्रयोगात्मक कार्य
(iii) विज्ञान
(iv) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
(v) गणित
(vi) भाषा

D

Date ______
Page ______

समन्वित सामान्य (कोर) पाठ्यक्रम की विशेषताएं-

(i) यह पाठ्यचर्या सभी छात्रों की सामान्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करती है।

(ii) यह पाठ्यचर्या मनोवैज्ञानिक एवं बालकेन्द्रित होती है।

(iii) इसमें विभिन्न प्रकार के अधिगम अनुभव प्रयुक्त किये जाते हैं।

(iv) यह पाठ्यचर्या सबसे अधिक प्रचलित है।

(v) इसके अन्तर्गत व्यापक आदेशक निर्देशन कार्यक्रम की व्यवस्था रहती है।

Scanned with CamScanner